



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 08 सितंबर, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: अगले 3-4 दिनों में पूर्वी भारत में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है; 11 से 14 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में; 13 और 14 सितंबर को मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है, साथ ही 10 सितंबर, 2026 को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

आज, 08 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और असम में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और मिजोरम में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा उत्तर की ओर है और इसका पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ निचले वायुमंडल में पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ निचले वायुमंडल में दक्षिण गुजरात से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे सटे बिहार के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन तक एक ट्रफ फैली हुई है।
- ❖ निचले वायुमंडल में दक्षिण तेलंगाना से मन्नार की खाड़ी तक एक ट्रफ फैली हुई है।
- ❖ निचले वायुमंडल में उत्तरी हरियाणा और उसके आस-पास के इलाकों के ऊपर हवा के ऊपरी स्तर पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ 11 सितंबर के आसपास बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम हिस्से तथा उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों पर निम्न दाब क्षेत्र बनने की संभावना है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 13-14 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 10-14 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 10-14 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 12-14 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 10-14 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 8-11 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 8-9 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 8-14 सितंबर के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-13 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 12 सितंबर को विदर्भ में; और 10-14 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 8-14 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 8-10 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 8-11 सितंबर के दौरान झारखंड में; 9 और 14 सितंबर को बिहार में; और 10-12 सितंबर के दौरान ओडिशा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 11-14 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 12-14 सितंबर के दौरान झारखंड में; 8 सितंबर और 10-13 सितंबर के दौरान बिहार में; और 8-9 सितंबर और 13-14 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 8 सितंबर और 12-14 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 8 सितंबर और 11-13 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 8-9 सितंबर; झारखंड में 9-11 सितंबर; बिहार में 8-10 सितंबर; ओडिशा में 9 सितंबर और 11-12 सितंबर को बारिश होने की संभावना है, साथ ही 10 सितंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- ❖ 8 सितंबर को ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 10-14 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; 8-12 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-9 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; 13-14 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-12 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 8-11 सितंबर के दौरान असम व मेघालय में; 8-10 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 8-9 सितंबर, 11 सितंबर और 13-14 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 8-12 सितंबर के दौरान असम व मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 12 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 8-14 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में; 13-14 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 12 सितंबर को मराठवाड़ा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-12 सितंबर के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 8-11 सितंबर और 13-14 सितंबर के दौरान मराठवाड़ा में; 8-14 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12-14 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है; 11-12 सितंबर के दौरान मराठवाड़ा; 12-13 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र।
- ❖ 12-13 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र और कोंकण व गोवा में; और 13 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 8-14 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 8-9 सितंबर और 13-14 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 8-12 सितंबर और 14 सितंबर को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 8-11 सितंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 10-12 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 13 सितंबर को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 12-14 सितंबर के दौरान तेलंगाना में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-12 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 12-14 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं गरज के साथ छोटे पड़ने, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने (हवा की गति 40-50 किमी/घंटा, झाँके 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही 10-11 सितंबर के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 8-10 सितंबर के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा, झाँके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 11-12 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 10-12 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 11-14 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 11-13 सितंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8-12 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 8-9 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 8-10 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बने रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 13 सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम अरब सागर से सटे सोमालिया तट के कुछ हिस्सों के साथ और उसके आसपास; 11 सितंबर तक पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम अरब सागर से सटे ओमान तट के कुछ हिस्सों के आसपास।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 10 से 13 सितंबर के दौरान अंडमान सागर के ऊपर।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

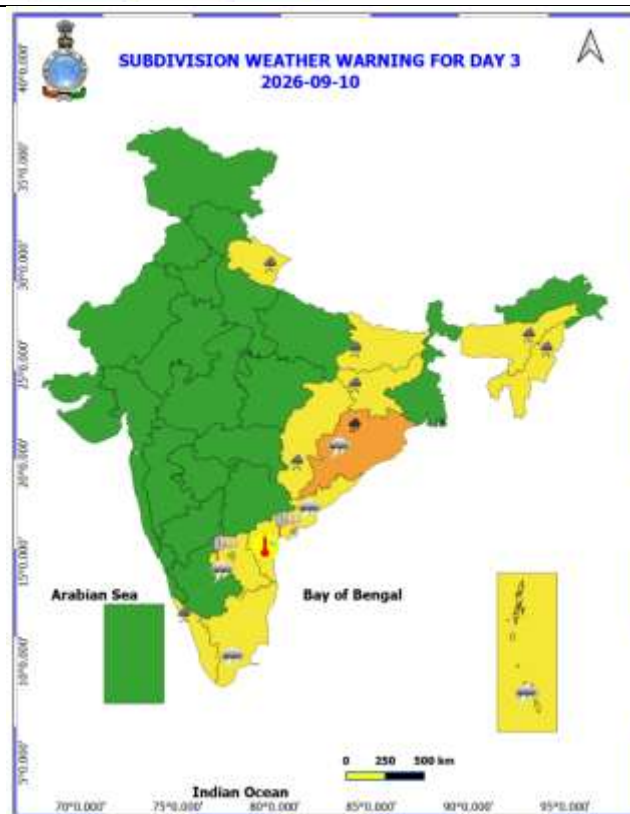
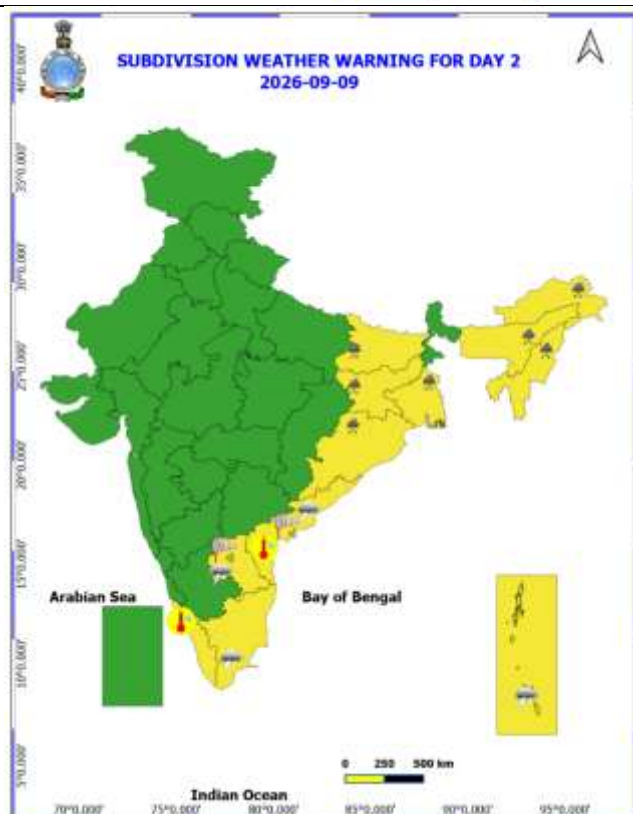
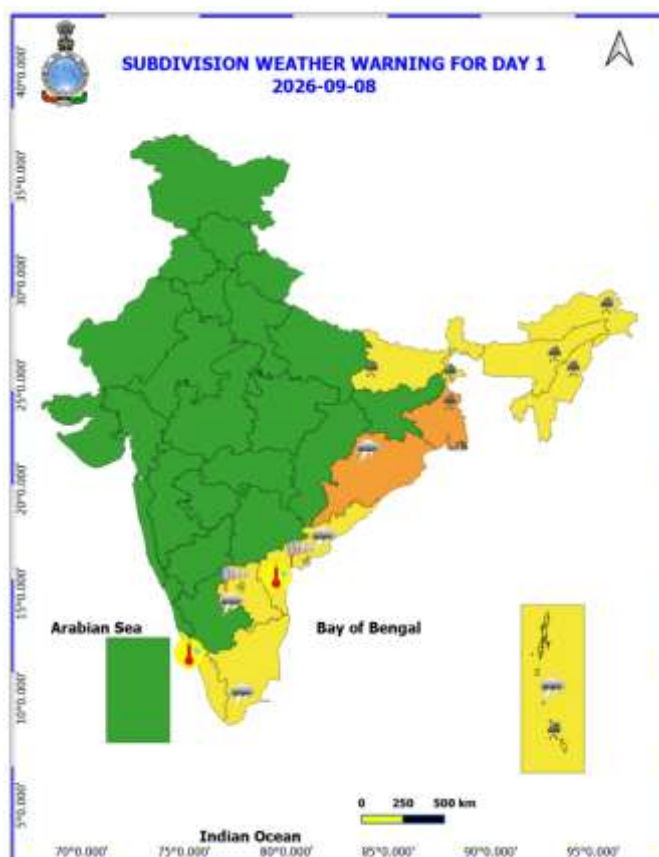
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

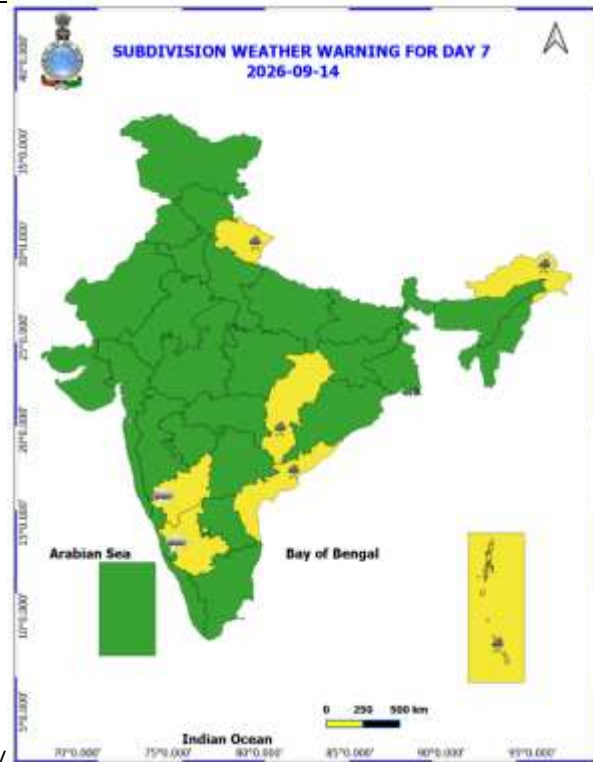
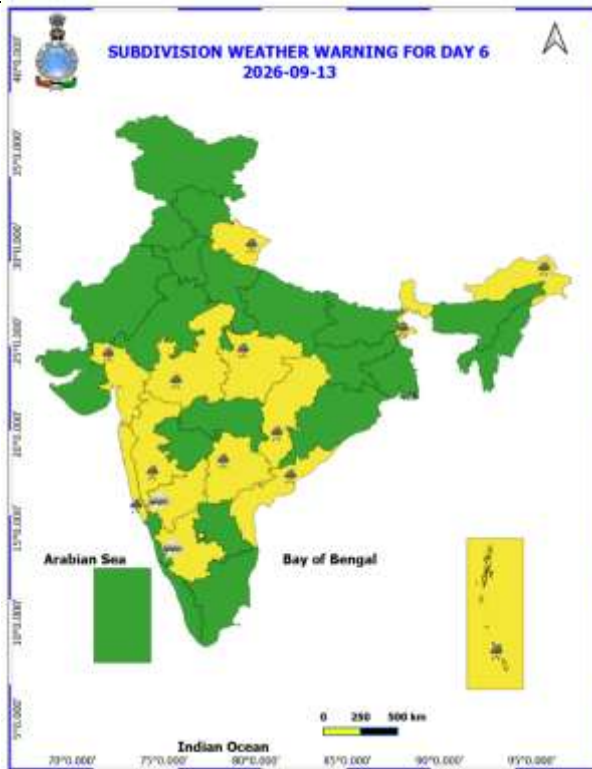
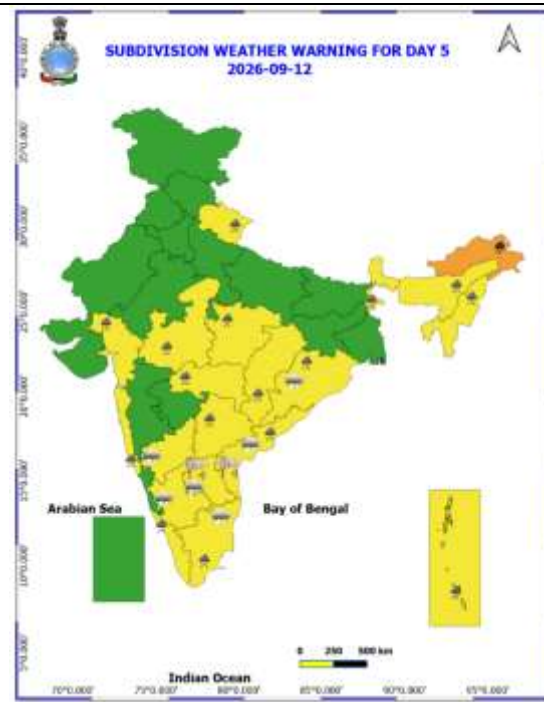
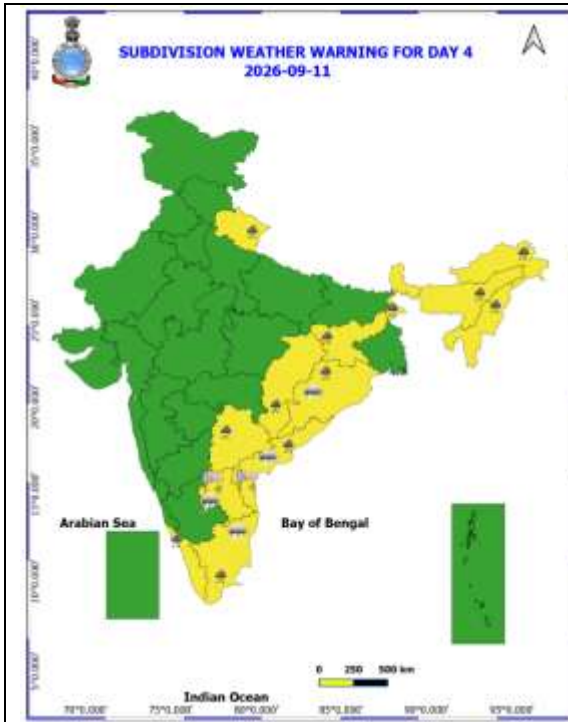
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: लांग आईलैंड 12
- ❖ असम: आम्रघाट 12
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: हल्दिया 10
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: मुहम्मदी (खीरी) 9
- ❖ मिज़ोरम: कोलासिब 9
- ❖ ओडिशा: नवरंगपुर 8
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कुर्ती 7
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: निवाली (बडवानी) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	8- Sep	9- Sep	10- Sep	11- Sep	12- Sep	13- Sep	14- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	W	FWS	FWS	FWS	W	W
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	W	FWS	FWS	W	W	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	W	W	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	W	W	FWS	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	W	FWS	FWS	FWS	W	W	W
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	W	W	W
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

08 सितंबर से 11 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 5-6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस के आसपास पाया गया और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21-25 डिग्री सेल्सियस के बीच है। अलग-अलग स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1 डिग्री सेल्सियस से -5.0 डिग्री सेल्सियस), अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6 डिग्री सेल्सियस से -3.0 डिग्री सेल्सियस) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) नीचे था। अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलीं। आज पूर्वाह्न के दौरान क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और पश्चिम दिशा से 22 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवा चलने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

08.09.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के दौरान गरज/बिजली के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के करीब रहेगा। मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से होने की संभावना है और दोपहर के दौरान सतही हवा की गति 22 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय सतही हवा की गति पश्चिम दिशा से घटकर 20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

09.09.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के करीब रहेगा, और कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के करीब रहेगा और दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। मुख्य सतही हवा उत्तर पश्चिम दिशा से होने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 25 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय सतही हवा की गति पश्चिम दिशा से घटकर 22 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शाम और रात के समय सतही हवा की गति उत्तर पश्चिम दिशा से घटकर 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

10.09.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के करीब रहेगा, और कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के करीब रहेगा और दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से होने की संभावना है और सुबह के समय सतही हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से सतही हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

11.09.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक कई स्थानों पर बहुत हल्की बारिश का दौर। दोपहर से शाम के दौरान कई स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के करीब रहेगा और दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से होने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 20 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से सतही हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शाम और रात के समय सतही हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक बढ़ जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 10 सितंबर को ओडिशा और 12 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 8 सितंबर को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में मध्यम से लेकर ज़बरदस्त बिजली कड़कने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, सब्जियों और नर्सरी बेड में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू रखें। निचले इलाकों वाले खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी निकाल दें।
- ❖ बिहार में, धान, मक्का, तिल, अरहर और दूसरी खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और लंबे समय तक पानी जमा न होने दें। बहुत ज़्यादा गीले खेतों में खेती के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा के लिए दवा डालने का काम तब तक टाल दें जब तक हालात ठीक न हो जाएं।
- ❖ सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, धान, सब्जियों के खेतों, बागों और नर्सरी बेड में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें ताकि पानी जमा न हो। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं और कद्दू-वर्गीय फसलों (जैसे खीरा, लौकी) के आस-पास पानी की निकासी बेहतर करें।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, रोपाई किए गए अमन धान के खेतों और सब्जियों की नर्सरी में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और नालियों को साफ़ रखें। जहाँ हालात ठीक हों, वहाँ तैयार जूट की कटाई करें और मूंग व उड़द (कलाइ) की बुवाई से पहले पानी की निकासी का इंतज़ाम करें, क्योंकि ये फसलें पानी जमा होने से जल्दी खराब हो जाती हैं।

- ❖ झारखंड में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की निकासी और निचले इलाकों वाले खेतों से ज्यादा बारिश का पानी हटाने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं और काटी गई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का असरदार इंतज़ाम करें और नालियों को साफ़ रखें। जहाँ खेत के हालात ठीक हों, वहाँ छोटी फलियों वाली अवस्था में जूट की कटाई करें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें ताकि पानी जमा न हो। जहाँ खेत के हालात ठीक हों, वहाँ तैयार मक्का, अरबी (कलोकेशिया) और अदरक की कटाई करें और बहुत ज्यादा गीले होने पर खेतों में काम करने से बचें। काटी गई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, सोयाबीन, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), मिर्च और दूसरी खड़ी फसलों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें ताकि पानी जमा न हो। जहाँ खेत के हालात ठीक हों, वहाँ तैयार सोयाबीन और केले की कटाई करें और फसल को सुरक्षित रूप से स्टोर करें। धान के खेतों में हवा का अच्छा संचार बनाए रखें और सोयाबीन के सड़ते हुए पौधों के हिस्सों को हटा दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

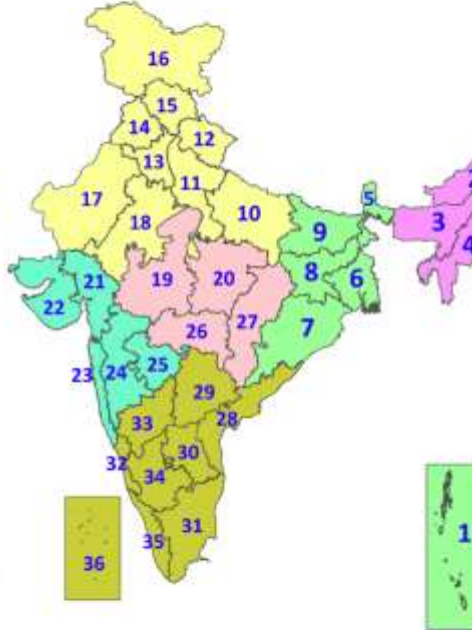
- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1 \text{ km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50-200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64-89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90-119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)